

Hindi Version of H. J. Eysenck's M. P. I.



PREPARED BY S. JALOTA and S. D. KAPOOR

मॉडसले की व्यक्तित्व परीक्षा

नाम स्त्री/पुरुष/समयुक्त वर्ष मास
 स्कूल/कारिग/पता
 तारीख पिता या अभिभावक या आपकी वास्तविक आय : ₹
 व्यवसाय/विद्या/छन्द्या

निर्देश

एक प्रश्नावली में आपको व्यवहार, भाव, कार्य आदि में सम्भावित कुछ प्रश्न पूछे गए हैं। इन प्रश्नों के लिए कोई भी पूर्वनिश्चित "सही" या "गलत" उत्तर नहीं हो सकते हैं। क्योंकि एक ही परिस्थिति में यदि एक भावनी को एक तरह का अनुभव होता है तो दूसरे को उसी तरह का अनुभव हो सकता है। अतः आपको जो सही लगे वही शब्दों के लिए ठीक उत्तर दें। प्रश्नों के लिए नीचे दिए हुए उदाहरण के साथ स्वयं अभ्यास करें, जिसे आप मन में पढ़िए।

क्या आपको बप-बाप करना बहुत पसंद है? हाँ ? नहीं

जैसा कि आप देखते हैं कि हर एक प्रश्न के तीन सम्भावित उत्तर दिए गए हैं: "हाँ ", "हाँ ", तथा "नहीं ". आपको उत्तर देते समय कुछ लिखना नहीं है, केवल प्रश्नों को पढ़ कर यह निश्चित करना है कि "हाँ ", और "नहीं ", में से कौन सा उत्तर आपके भाव-अपेक्षा कार्य को सही-सही प्रकट करता है और उसके बाद उक्त प्रश्न के सामने दिए हुए बानों में से एक खाने में सही (✓) का निशान बनाया है। अधिकतर अवस्थाओं में आपका उत्तर "हाँ" और "नहीं" में होता चाहिए। पर यदि आप निश्चित निश्चित न कर सकें तो "?" के साथ बाने (Box) में निशान लगा सकते हैं। जल्दी में यदि आप गलत खाने में निशान लगा दें तो उसे भी बार-बार कर ठीक स्थान पर निशान लगायें। प्रश्नों का उत्तर देने में सीधे-सीधे बहुत अधिक शेष विचार के मत पड़े, बल्कि तुरन्त मन में आए विचार या उत्तर की उसी समय निशान लगा दीजिये। किसी भी प्रश्न को मत छोड़िए, बल्कि प्रश्न-माला की कुछ न कुछ उत्तर अवश्य दीजिए। साधारणतया कोई बस-पन्द्रह मिनट में अधिकतम योग समाप्त कर लेते हैं। अतः तीव्रता से आरम्भ करके सारे प्रश्नों का उत्तर दे डीजिए।

अब आप शुरू कर दीजिए।

१. यदि किसी एक काम में बहुत जल्दी की जरूरत हो तो क्या उसे करने में आपको सबसे ज्यादा खुशी होती है? हाँ ? नहीं
२. क्या आपकी अक्सर ऐसा भी लगता है कि आप बिना किसी बजह के ही अपने को कभी तो उदास और कभी असम्यक्त करते हैं? हाँ ? नहीं
३. जब कभी आप किसी बात पर मन लगाने की कोशिश करते हैं तो क्या आपका मन अक्सर बदल होने लगता है? हाँ ? नहीं
४. नए दोस्त बनाने में क्या आप अक्सर खुद कोशिश करते हैं? हाँ ? नहीं
५. क्या आप अपने कामों की जल्दी और निश्चय के साथ करना चाहते हैं? हाँ ? नहीं
६. क्या आप किसी के साथ बातें करते-करते कुछ सोचते रह जाते हैं? हाँ ? नहीं
७. क्या आपसे काम करने की बात कभी तो बहुत अधिक और कभी बहुत कम हो जाती है? हाँ ? नहीं
८. क्या आप अपने को जिन्दा-दिल समझते हैं? हाँ ? नहीं
९. यदि प्रत्येक समाज में मिलने-जुलने से रोक दिया जाए तो क्या आप दुःखी होगी? हाँ ? नहीं
१०. क्या आपके मिजाज में अक्सर उतार-चढ़ाव होता रहता है? हाँ ? नहीं
११. क्या आपका स्वभाव बिना किसी बजह के ही बदलता रहता है? हाँ ? नहीं
१२. क्या आप किसी कार्य की योजना बनाने के बजाय उसे कर ही डालना पसन्द करते हैं? हाँ ? नहीं

Total of Short Scale : N E

5

१६. क्या आप ऐसी बातों की कल्पना करते रहते हैं जो कभी पूरी ही न हों?.....हाँ १ नहीं
१७. क्या सामाजिक व्यवहारों पर (सभा, सोसायटी आदि में) आप पीछे रह जाते हैं?.....हाँ १ नहीं
१८. क्या आप अपनी हीनी बातों पर अक्सर सोचा करते हैं?.....हाँ २ नहीं
१९. क्या आपको एक खुलना पार्की में डुल-दिल जाने में मुश्किल होती है?.....हाँ ३ नहीं
२०. क्या आप बिना किसी देजह के ही अपने को अक्सर दुखी महसूस करते हैं?.....हाँ ३ नहीं
२१. क्या आप ज़रूरत से ज्यादा सावधान रहते हैं?.....हाँ ३ नहीं
२२. क्या आपको अक्सर ऐसा लगता है कि आपने किसी बात को तय करने में बहुत देर लगा दी है?.....हाँ ३ नहीं
२३. क्या आप लोगों से मिलना बसन्द करते हैं?.....हाँ ३ नहीं
२४. क्या आपको अक्सर चिन्ता के कारण नींद नहीं आती?.....हाँ ३ नहीं
२५. क्या आप अपनी जान-महबान गिने-चुने लोगों तक ही सीमित रखना पसंद करते हैं?.....हाँ ३ नहीं
२६. क्या आप अक्सर किन्हीं पाप या अपराध की भावनाओं से परेशान रहते हैं?.....हाँ ३ नहीं
२७. क्या आप अपने काम को अक्सर बहुत धन लगाकर (गम्भीरता से) करते हैं?.....हाँ ३ नहीं
२८. क्या आप छोटी-छोटी बातों पर बुरा महसूस करते हैं?.....हाँ ३ नहीं
२९. क्या आप बहुत सी सभा-सोसायटियों में जाना पसंद करते हैं?.....हाँ ३ नहीं
३०. क्या आप अपने को बहुत ही बेचैन व्यक्ति समझते हैं?.....हाँ ३ नहीं
३१. क्या आप किसी टीम या टोली में काम करते समय नेता (लीडर) बनना पसंद करते हैं?.....हाँ ३ नहीं
३२. क्या आप अक्सर अपने में अकेलापन महसूस करते हैं?.....हाँ ३ नहीं
३३. मिन्नत किए जाने व्यक्तियों (मर्द या औरत) के सामने क्या आपको शर्म लगती है?.....हाँ ३ नहीं
३४. क्या आप सपनों की दुनिया में रहना ज्यादा पसंद करते हैं?.....हाँ ३ नहीं
३५. आपसे कोई बात कही जाने पर क्या आप उसका जवाब तुरन्त दे देते हैं?.....हाँ ३ नहीं
३६. क्या आप अपनी पिछली खुशी की बातों पर विचार करने में अधिक समय लगाते हैं?.....हाँ ३ नहीं
३७. क्या आप अपने को खुश-मिजाज समझते हैं?.....हाँ ३ नहीं
३८. क्या आपने अक्सर अपने को बिना कारण उदासीन या थका हुआ महसूस किया है?.....हाँ ३ नहीं
३९. क्या आप सामाजिक-मंडली में चुप रहना पसंद करते हैं?.....हाँ ३ नहीं
४०. किसी कठिनाई को पार कर लेने के बाद क्या आप अक्सर यह सोचते हैं कि आपने वह नहीं किया जो आपको करना चाहिए था?.....हाँ ३ नहीं
४१. क्या सैर-सपाटे के वक़्त आप खूब आनन्द उठा सकते हैं?.....हाँ ३ नहीं
४२. क्या आपके मन में इतने विचार आते हैं कि आप सो नहीं सकते?.....हाँ ३ नहीं
४३. क्या आप ऐसा काम पसन्द करते हैं जिसमें अधिक ध्यान लगाना पड़ता है?.....हाँ ३ नहीं
४४. क्या कभी आपको किसी बार-बार आए हुए वेकार के विचार ने परेशान किया है?.....हाँ ३ नहीं
४५. क्या आप अपने-कामों को अक्सर लापरवाही से करते हैं?.....हाँ ३ नहीं
४६. क्या आपको बहुत से मामलों की छोटी-छोटी बातें परेशान कर देती हैं?.....हाँ ३ नहीं
४७. क्या दूसरे लोग आपको एक मस्त व्यक्ति समझते हैं?.....हाँ ३ नहीं
४८. क्या आप अक्सर निराश या दुखी रहते हैं?.....हाँ ३ नहीं
४९. क्या आप अपने को बहुत बान्नी मानते हैं?.....हाँ ३ नहीं
५०. क्या आपको कभी इतनी परेशानी होती है कि आप देर तक कुर्सी पर नहीं बैठ सकते?.....हाँ ३ नहीं
५१. क्या आप दूसरों का मजाक उड़ाना पसन्द करते हैं?.....हाँ ३ नहीं

Total of Long or Full Scale	N	E
Raw Scores		
Standard Scores		



Consumable Booklet

of

GTCS

(English Version)

B. K. Passi (Indore)

M. S. Lalita (Mysore)

Please fill up the following informations :—

Name of the Student Teacher.....

Class to be taught.....

Topic.....

Date.....

Time Duration.....



Estd. 1971

☎ : (0562) 2364926

NATIONAL PSYCHOLOGICAL CORPORATION

4/230, KACHERI GHAT, AGRA - 282 004 (INDIA)

Item

Sr. No.	Items	Not Very at						
		all					much	
		1	2	3	4	5	6	7
PLANNING (Pre-Instructional)								
1	Objectives of the lesson were appropriate: clearly stated relevant to the content, adequate and attainable.	*	*	*	*	*	*	*
2	Content selected was appropriate: relevant and adequate with respect to the objectives of the lesson, and accurate.	*	*	*	*	*	*	*
3	Content selected was properly organized: Logical continuity and psychological organization.	*	*	*	*	*	*	*
4	Audio-visual material chosen was appropriate: suited to the pupils and content, adequate and necessary for attaining the objectives.	*	*	*	*	*	*	*
PRESENTATION (Instructional)								
5	Lesson was introduced effectively and pupils were made ready emotionally and from knowledge point of view to receive the new lesson: continuity in statements or questions, relevance, use of previous knowledge and use of appropriate device/technique	*	*	*	*	*	*	*
6	Questions were appropriate: well structured, properly put, adequate in number and made pupils participate.	*	*	*	*	*	*	*
7	Critical awareness was brought about in pupils with the help of probing questions: prompting, seeking further information, refocusing, redirection and increasing critical awareness.	*	*	*	*	*	*	*
8	Concepts and principles were explained (understanding brought about) with the help of clean, interrelated and meaningful statements: statements to create set, to conclude, statements which had relevancy, continuity appropriate vocabulary explaining links, fluency and had no vague words and phrases.	*	*	*	*	*	*	*

Sr. No.	Items	Not Very at						
		all				much		
		1	2	3	4	5	6	7
9	The concepts and principles were illustrated with the help of appropriate examples through appropriate media (verbal and non verbal): simple, relevant to content and interest level of pupils.	*	*	*	*	*	*	*
10	Pupils' attention was secured and maintained by varying stimuli like movements, gestures, changing speech pattern, focusing, changing interaction styles, pausing, and oral-visual switching: Pupils' postures, and listening, observing and responding behavior of pupils.	*	*	*	*	*	*	*
11	Deliberate silence and nonverbal cues were used to increase pupil participation.	*	*	*	*	*	*	*
12	Deliberate silence and nonverbal cues were used to increase pupil participation.	*	*	*	*	*	*	*
13	Speed of presentation of ideas was appropriate: matched with the rate of pupils' understanding and there was proper budgeting of time.	*	*	*	*	*	*	*
14	Pupils' participated in the classroom and responded to the teacher and initiated by giving their own idea and reacting to others' ideas.	*	*	*	*	*	*	*
15	The blackboard work was good: legible, neat, appropriateness of the content written and adequate.	*	*	*	*	*	*	*

Sr. No.	Items	Not Very at						
		all						much
		1	2	3	4	5	6	7

CLOSING

- 16 The closure was achieved appropriately: main points of the lesson were consolidated, present knowledge was linked with the past knowledge, opportunities were provided for applying present knowledge, and present knowledge was linked with future learning (assignment). * * * * * * *
- 17 The assignment given to the pupils was appropriate: suited to individual differences, relevant to the content taught, and adequate. * * * * * * *

EVALUATION

- 18 Pupils' progress towards the objectives of the lesson was checked and the procedures of evaluation were appropriate: relevant to the objectives, valid, reliable and objective. * * * * * * *
- 19 Pupils' difficulties in understanding a concept or principle were diagnosed by step-by-step questioning and suitable remedial measures were undertaken. * * * * * * *

MANAGERIAL

- 20 Both attending and non attending behaviours of the pupils were recognized: attending behaviour was rewarded, directions were given to eliminate non-attending behaviours, questions were asked to check pupils' attending behaviour, pupils' feelings and ideas were accepted, and nonverbal cues were used to recognize pupils' attending and non-attending behaviours. * * * * * * *
- 21 Classroom discipline was maintained in the class: pupils' followed teacher's instructions that were not related to the content. Comments (if any): * * * * * * *